RJPP, Vol. XXII, No.2, April - Sept. 24, ISSN (P) : 0976-3635, (e) :2454-3411
Impact Factor 8.858

विकसित भारत : 2047 की ओर बढ़ते कदम

डॉ0 चन्द्रलोक भारती
एसोसिएट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान विभाग
मारवाड़ी कॉलेज, भागलपुर,बिहार।
ईमेलः clbharti21@gmail.com

सारांश

विकसित भारतः 2047 के सपने को साकार करने के लिए हम सभी भारतवासी कटिबद्ध एवं समर्पित हैं। अमृत काल का लक्ष्य एक ऐसा भारत बनाना है, जहाँ सुविधाओं का स्तर गाँव और शहर को एक सुत्र में बाँधकर लक्ष्य को प्राप्त करने की दशा और दिशा सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मंत्र ''सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास एक आवश्यक कड़ी है।'' विकसित भारत का लक्ष्य एवं उद्देश्य औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी मिशन को मिटाना, अपनी जड़ों पर गर्व करना, नागरिकता मे एकता और कर्त्तव्य की भावना विकसित करना। आज पूरी दुनिया बारूद की ढ़ेर पर खड़ी है सिर्फ एक चिंगारी से तृतीय विश्वयुद्ध का वातावरण बन सकता है। आज विश्वयुद्ध की आग झुलस रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ लाचार एवं मुकदर्शक बना हुआ है। ऐसी विषम परिस्थिति में भारत का लक्ष्य अपने राष्ट्रों की सुरक्षा के साथ–साथ आर्थिक स्तर को मजबूत करना एवं राष्ट्रों से मधुर संबंध बनाना एक चुनौती बनी हुई है। आज भारत दुनियां की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है और 2030 तक तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर कदम बढ़ा चुका है। आज भारत चाँद, सूर्य और मंगल पर अपना मिशन एवं अनुसंधान एवं शोध कार्य कर रहे हैं। G-20 की अध्यक्षता वैश्विक नेतृत्व के उभरते ग्लोबल लीडर की भूमिका मील का पत्थर साबित हो रहा है। विकसित भारत की यात्रा में बहुपक्षीय संस्थाओं का अधिक समावेशी और जिम्मेवारी बनाने के लिए एवं उसमें सुधार करना भारतीय विदेश नीति का प्रमुख केन्द्र बिन्दु रहा है। विकसित भारत की सफर में सबका साथ, सबका प्रयास एवं जन सहभागिता एक आवश्यक कड़ी रही है। आज सात सिद्धान्तों को रेखांकित करते हुए समावेशी विकास, अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना, बुनियादी ढाँचा और निवेश हरित विकास, युवा शक्ति एवं वित्तीय क्षेत्र के साथ आपसी भाई–चारा एवं प्रेम, सद्भाव बनाते हुए आगे बढ़ते रहना है। भारत की धरती वसुधैव कुटुम्बकम के साथ अहिंसा के प्रतिपूर्ति गाँधी, दलितों के मसीहा अम्बेदकर

Reference to this paper should be made as follows:

Received: 02.09.2024
Approved: 27.09.2024

डॉ0 चन्द्रलोक भारती

विकसित भारत : 2047 की ओर बढ़ते कदम

RJPP April 24-Sept.24, *Vol. XXII, No. II,*

PP. 161-165
Article No. 21

Online available at:
https://anubooks.com/journal-volume/rjpp-sept-2024-vol-xxii-no2

समानता के प्रतिमूर्ति बुद्ध, महावीर, गुरूनानक देव की रही है। भारत एक शांति प्रिय देश रहा है।विकसित भारत का उद्देश्यः– विकसित भारत 2047 का उद्देश्य भारत को आर्थिक विकास, पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक प्रगति और सुशासन के साथ एक विकसित राष्ट्र बनाना है। विकसित देशों का स्तर मजबूत अर्थव्यवस्था, उन्नत तकनीक और उच्च जीवन स्तर होता है। इसके साथ हीं विकसित भारत के लिए निम्नांकित मापदण्ड पर प्रकाश डाल सकते हैंः–

(1) मूलभूत और उच्च शिक्षा के बजट को बढ़ाना होगा।

(2) स्वास्थ्य सेवा में ध्यान देना होगा, इसमें निजी और सरकारी इन्वेस्टमेंट बढ़ाना होगा।

(3) उद्योगों के निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाना चाहिए एवं स्वदेशी उद्योगों को बढ़ाना होगा।

(4) सूचना प्रौद्योगिकी में निवेश बढ़ाना होगा ।

(5) भारत को अपने शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ–साथ आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों में विकास की दिशा में कठिन परिश्रम करना होगा।

तथ्य विश्लेशणात्मक

भारत जैसे विकाससील राष्ट्रो में जहाँ विभिन्न भाषा जातियों, वर्गो, धर्मो, समुदायों के लोग रहते हैं, जिनकी कार्यशैली अलग–अलग तरह की है। साथ हीं एक बढ़ती हुई जनसंख्या युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, सरकारी अफसरों में बढ़ता हुआ लालफिताशाही एवं भ्रष्टाचार, महिलाओं की बढ़ती असुरक्षा व्यवस्था एवं आन्तरिक सुरक्षा को मजबूती प्रदान करना, महिलाओं को सशक्त करना, पर्यावरणीय संरक्षण का संवर्द्धन करना, वैदेशिक नीति को पटल पर मजबूती से कुटनीतिक एवं राजनयिक स्तर पर सशक्त करना, भारत में निवेश करने वाले विदेशी को सुरक्षा प्रदान करना, एवं शांतिपूर्ण सद्‌भाव एवं भाई–चारा को बनाये रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। विकसित भारत की श्रेणी में जो भी राष्ट्र जैसे–जापान, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जर्मनी, स्वीटजरलैण्ड एवं ब्रिटेन जैसे राष्ट्र हैं जहाँ जनसंख्या सीमति दायरे में है, विभिन्न वर्गो, धर्मो, एवं पंथो, समुदायों के लोग नहीं रहते हैं और ना हीं इतने भाषा के लोग निवास करते हैं। भारत में जिस अनुपात से जनसंख्या वृद्धि हो रही है, उस अनुपात से उत्पादन क्षमता में वृद्धि नहीं होती है। फिर भी भारत विकसित राष्ट्रो के पैमाना को पूरा कर रहा है।

एक विकसित देश जिसे औद्योगिक देश भी कहा जाता है – जो एक परिपक्व और परिकृत अर्थव्यवस्था होती है, जिसे आमतौर पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP) या प्रति व्यक्ति औसत आय द्वारा मापा जाता है। विकसित देशों में उन्नत तकनीकी अवसंरचना होती है और उनके पास विविध औद्योगिक और सेवा क्षेत्र होते हें। विकसित देशों के लोग अपनी क्षमता एवं इमान्दारी से किसी भी कार्य को करते हैं। विकसित देशों की सोंच एवं क्षमता सकारात्मक होती है।

विकसित भारत का मिशन का औपचारिक शुभारंभ एक मील का पत्थर है। भारत की स्वतंत्रता के 100वें वर्ष में यानि 2047 का मिशन तक भारत को विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने की संभावना वास्तव में वर्त्तमान सरकार का मनोरम एवं मजबूत दृढ़ संकल्प है। देश की तीव्र प्रगति को देखते हुए महत्वाकांक्षी लक्ष्य एवं उद्देश्य को साकार करने के लिए, भारत के प्रत्येक नागरिक कटिबद्व हे। एक विकसित भारत के लिए शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है, जो नागरिकों का उनके क्षमताओं का संवर्धन करने में मदद करता हे। क्योंकि विश्व का जो भी विकसित देश हैं, वहाँ शिक्षा का औसत काफी ऊँचा है। शिक्षा से हीं हम किसी भी समाज और राष्ट्र की सूरत बदल सकते हैं। शिक्षा समाज

में एक नयी रोशनी फैलाती है और उससे लोग अपने जीवन–दर्शन में अपने कार्य एवं अधिकार के प्रति सचेत रहते हैं और राश्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।

विकसित भारत 78वाँ स्वतंत्रता दिवस की थीम है, जिसका उद्देश्य भारत की प्रगति को प्रतिबिंबित करना और 2047 तक इसके भविश्य के विकास की कल्पना करना है। विकसित भारत के सपने का मुख्य उद्देश्य एवं लक्ष्य बुनियादी ढ़ाँचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन, सेवा, प्रौद्योगिकी और सतत विकास पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समग्र दषश्टिकोण के माध्यम से विभिन्न सामाजिक, आर्थिक चुनौतियों का समाधान करना है। (रिपोर्ट – 16 अगस्त 2024)

विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम जिसके यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के 8.5 करोड़ किसानों के बैंक खातों में किस्त के रूप में 17000 करोड़ रूपये हस्तांतरित किए गए। देश के छोटे एवं सीमांत किसानों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्वता एवं विकसित भारत की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने का एक छोटा प्रयास है। ये सहायता किसानों के लिए खेती का मौसम मे उनकी नकद आवश्यकताओं के लिए एक वरदान साबित हुए हैं। ग्रामीण क्षेत्र पर विशेश ध्यान देते हुए अनेक 'अभिनव योजनाओं' से उन्हें सहायता एवं राहत दी जा रही है। चुँकि भारत एक कषशि प्रधान देश है, जहाँ 70 प्रतिशत से भी अधिक लोग खेती में कार्य करते हैं। किसी भी देश की प्रगति में कषशि एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कषशि उन्नत होगी तो निश्चित रूप से ग्रामीण परिवेश का विकास होगा और जब ग्रामीण सतर से विकास की रोशनी पहुँचेगी तो निश्चित रूप से राश्ट्र की प्रगति होगी और विकसित भारत के सपनों को साकार करने में मदद होगी।

विकसित भारत में रेलवे का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिसमें रेलवे स्टेशन के पुर्नविकास के कार्य विस्तार एवं विद्युतीकरण, फ्रेट कॉरिकॉर के कार्य, बंदे भारत ट्रेनों एवं कई अभिनव पहलों से भारतीय रेलों का कायाकल्प हुआ है। 'अमष्त काल' में विकसित भारत का स्वप्न निश्चय ही एक सच्चाई लग रही है।

आज भारत किसी भी मिशन को असंभव को संभव करने की दिशा में एक नयी उपलब्धियों को वैश्विक मंचों पर सराहा और स्वीकारा जा रहा है और वह मिशन चन्द्रयान–3 का प्रक्षेपण है।

आज भारत के वैज्ञानिक आन्तरीक मिशन में एक नयी ऊर्जा प्रदान की है। चन्द्रयान–3 न केवल देश की आशाओं एवं सपनों का प्रतिनिधित्व कर रहा है बल्कि देश की मानवता के प्रति प्रतिबद्वता को भी दर्शाता हे। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार 2015–16 एवं 2019–2021 के बीच भारत ने बहुआयामी गरीबी सूचकांक में 24.85 प्रतिशत से 14.96 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की है अर्थात सरकार की योजनाओं में गरीब–किसान–मजदूर कल्याण की नीतियों का विकास दर है।

यह साकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थतंत्र पर स्पश्ट दिखाई पर रहा है। इससे यह पता चलता है कि न केवल गरीब से गरीब व्यक्ति की आय बढ़ रही है बल्कि ग्रामीण एवं गरीब जनता को बिजली, बैंक खाता, पेयजल सुविधा, बेहतर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ भी उपलब्ध हो रही है।

विकसित भारत की दिशा में बढ़े कदम बेहतर हो रही है, वर्श 2047 मिशन भारत को विकसित राश्ट्र बनाने के लिए सरकार के साथ ही पूरा देश प्रयास कर रहा है। आमदनी बढ़ रही है,

लोगों का जीवन स्तर ऊँचा हो रहा है। द लैंसेट जर्नल में प्रकाशित वैश्विक अध्ययन में कहा गया है कि वर्ष 2050 तक भारतीय महिलाओं की जीवन प्रत्याशा लगभग 80 वर्ष और पुरूषों की जीवन प्रत्याशा 75 वर्ष से अधिक होगी। विकसित भारत 2047 का संकल्प, भारत को एक वैश्विक मंच पर भारत को स्थापित करने का एक प्रयास चल रहा है। यह संकल्प भारत की वैश्विक राजनीतिक स्थिति को मजबूत करेगा और अर्न्राष्ट्रीय सहयोग में योगदान देगा। इसमें जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा जैसे वैश्विक मुद्दो पर नेतृत्व भूमिका निभाने की योजना शामिल है। (https://www.claggindia.com)

भारत को एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में लाने के लिए सरकार को सामाजिक समरसता कर नीति के साथ आर्थिक सुधारों पर फोकस करना होगा। श्रम सुधारों का लक्ष्य केवल प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाना हीं नहीं, बल्कि विकास के अवसर पैदा करना भी होना चाहिए। उच्च शिक्षा ऐसी हो, जिससे कौशल विकास हो। इसी तरह वित्तीय समावेशन में लैंगिक समानता दिखना चाहिए। (रिपोर्ट 22 फरवरी 2022, जागरण)

निष्कर्षः—

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि भारत अपने इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। 21वीं सदी भारत की सदी होगी, क्योंकि देश अपनी क्षमताओं के प्रति आश्वस्थ होकर भविष्य की ओर बढ़ रहा है। विकसित राष्ट्र बनने के लिए कई पैमाना पर कार्य कर रहा है। इतनी बड़ी जनसंख्या होते हुए भी आज भारत दुनियां की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है और 2027 तक दुनियां की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी, क्योंकि इसकी GDP 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (IMF का अनुमान को पार कर जायेगी) 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र के सभी विशेशताओं के साथ 30 ट्रिलीयन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यह एक सराहनीय कदम है। इस अमृत काल में भारत कई मोर्चो पर बदल चुका है और आगे बढ़ने के लिए सतत प्रयास कर रहा है। सामाजिक और आर्थिक बुनियादी ढ़ाँचे में बड़े पैमाने पर विस्तार हो रहा है। पिछले वर्षो में नीतियों और योजनाओं के माध्यम से समग्र शिक्षा और विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम एवं मेडिकल नर्सिंग कॉलेजों का विस्तार, स्क्रिनिंग (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) और कई अन्य पिछले दशक में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की संख्या में कई गुना वृद्वि हुई है, और भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली दुनिया के नक्से पर अपनी पहचान बनाई हुई हे। आज 1,113 विश्वविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय—स्तरीय संस्थाओं 43,796 कॉलेजों और 4.33 करोड़ छात्रो के साथ 11,296 स्टैंड—अलोन संस्थाओं का दावा करती हे। उच्च शिक्षा सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) लगातार बढ़कर 28.4 हो गया है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र का सभी मोर्चो पर व्यापक विस्तार हुआ है। 2022 में 1,56,000 आयुष्मान भारत केन्द्र थे, लगभग 13.97 लाख आंगनवाड़ी केन्द्रों का विशाल नेटवर्क लगभग 10 करोड़ बच्चों का प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा प्रदान करता है। इतना हीं नहीं शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर विभिन्न स्वास्थ्य संकेतको में काफी गिरावट आई है। एक अनुमान के तहत भारत व्यापक शासन मॉडल ने 13.5 करोड़ लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला है, जो 2030 के सतत विकास लक्ष्यों से काफी आगे हे। इतना हीं नहीं भारत क्वांटम छलांग, खेलो इण्डिया के ठोस प्रयासों, जनधन खाते, कोविड

टीके, डिजिटल इंडिया, स्टार्ट–अप इण्डिया, मोवाइल फोन, इन्टरनेट सेवाएँ के साथ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी क्षेत्रों में नये मील की पत्थर स्थापित किये हें। भारत अपने षासन मॉडल को सभी क्षेत्रों में वैज्ञानिक तरीके से विकसित कर रहा है। आज दुनिया भारत को कई मायनों में विश्व गुरू मान रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन, फ्रांस, जापान, जर्मनी जैसे षक्तिशाली राश्ट्र भारत की इस प्रगति का लोहा मान रहा है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि UNO में VETO पॉवर के रूप में भी अधिकांश 185 देशों का समर्थन मिला है, जो भविश्य में भारत UNO मंच पर भी अपनी साख मजबूत कर रही है। सचमुच भारत APJ अब्दुल कलाम, गांधी, अम्बेडकर, स्वामी विवेकानंद एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने के लिए भारत विकसित राश्ट्र 2047 के मिशन को मील का पत्थर सबित कर रहा है और विश्वगुरू बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. रिपोर्ट 16 अगस्त 2024
2. htpp://www.tagranjos.com
3. htpp://www.deccanherald.com
4. रिपोर्ट 19 अगस्त 2024
5. htpp://cleartax.in>viksit-bharat
6. रिपोर्ट 16 अगस्त 2024
7. htpp://Sunday.com>academy>lesson
8. रिपोर्ट 15 सितम्बर 2023
9. htpp://hiquora.com>bharat.coरिपोर्ट 4 अप्रैल 2024रिपोर्ट 11 दिसम्बर 2023
10. htpp://www.abplive.com>business
11. रिपोर्ट 30 दिसम्बर 2023
12. htpp://www.drishtilas.com>hindi
13. Jagran News, edited by Jeet Kumar, 18 May 2024
14. satyawati.du.ac.in
15. htpp://www.hindustantimes.com